Book Ad Any category of Classified and get
Special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad
Mo. 8130640000

- **Year**-14 **Issue**- 01
Ghaziabad, Sunday, 04 June- 2023
- 04 June to 10 June- 2023
- **Page:** 8

- **Postal Registration No:** UP/GZB- 80/2016-18
- **RNI.No:** UPBIL/2009/28691
- **DAVP Code:**101473
- **Editor:** Dheeraj Kumar
- **Mob.:** 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

www.tbcgzb.com
Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 7

ओड़िसा रेल हादसाः 288+ मौतें, कौन जिम्मेदार ?

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार की शाम में पिछले दो दशक की सबसे बड़ी और बेहद खौफनाक ट्रेन दुर्घटना हुई। इसमें खबर लिखे जाने तक 288 लोग मारे गए तो वहीं 850 के करीब घायल हैं। यह हादसा भारत में आजादी के बाद से हुए घातक ट्रेन हादसों में से एक है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि घायलों में सैंकड़ों लोगों की हालत बेहद गंभीर है।

यह हादसा कितना घातक था इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि रेल की पटरी सीधे ट्रेन की फर्श को चीरते हुए अंदर घुस गई। आर्मी और एनडीआरएफ के जवान पिछले दो दिनों से रेस्क्यू कार्य में जुटे रहे। घटना शुक्रवार की शाम सात बजे की है। भारतीय रेलवे के कार्यकारी निदेशक अमिताभ शर्मा ने बताया कि चेन्नई जा रही कोरोमंडल शालीमार एक्सप्रेस कथित तौर पर पटरी से उतर गई थी। जिसके बाद कई डिब्बे पास की ही दूसरे ट्रैक पर पलट गए। तभी दूसरे ट्रैक पर आ रही यशवंतपुर-हावड़ा सुपरफास्ट दूरंतों पटरी से उतरे डिब्बों से टकरा गई। टक्कर के समय दूरंतों की गति तेज थी। कोरोमंडल से टकराने के बाद दूरंतों के कई डिब्बे पास खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई।

परिचालन विफलता पर सवालों के बीच रेलवे ने जांच के आदेश दिए हैं। बचाव अभियान रात भर जारी रहा। श्रमिकों और स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त मलबे से शवों और जीवित बचे लोगों को बाहर निकालने में लगे रहे। बाद में एनडीआरएफ के जवान और सेना के जवान मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया।

रेल मंत्री अश्विनी वैशनव बालासोर पहुंचकर दुर्घटना स्थल का जायजा लिया इस हादसे में मारे गए लोगों के लिए प्रधानमंत्री ने दो लाख रुपये तो रेल मंत्रालय की तरफ से 10 लाख रुपये दिए जाने की घोषणा की गई है। वहीं घायलों को प्रधानमंत्री की तरफ से 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

वहीं, कई विपक्षी दलों ने रेल मंत्री से इस्तीफे की मांग की है। ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक ने शनिवार को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की।

वहीं, इस भयानक दुघर्टना के बाद रेलवे से सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। रेलवे मंत्री अश्वनी वैष्णव ने हाल ही में सुरक्षा तकनीक कवच का जिक्र किया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि एक ही पटरी पर दो ट्रेनें होने से चार सौ मीटर पहले ही ट्रेनें अपने आप रूक जाएगी। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर रेलवे के पास ऐसी तकनीक है तो फिर इस हादसे को क्यों नहीं रोका गया।

हालांकि रेलवे की ओर से स्पष्टीकरण दिया गया कि ओड़िसा के बालासोर में कवज तकनीक नहीं थी।

हाल की पांच बड़ी रेल दुर्घटनाएं

13 जनवरी, 2022 : बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के कम से कम 12 डिब्बे पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में पटरी से उतर गए, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 36 अन्य घायल हो गए।

23 अगस्त, 2017 : दिल्ली जाने वाली कैफियत एक्सप्रेस के नौ कोच उत्तर प्रदेश के औरैया के पास पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 70 लोग घायल हो गए।

19 अगस्त, 2017 : हरिद्वार और पुरी के बीच चलने वाली कलिंग उत्कल एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में खतौली के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ट्रेन की 14 बोगियां पटरी से उतर गईं, जिसमें 21 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 97 घायल हो गए।

20 नवंबर, 2016 : इंदौर-पटना एक्सप्रेस 19321 कानपुर के पुखरायां के पास पटरी से उतर गई। इस दौरान कम से कम 150 यात्रियों की मौत हो गई और 150 से अधिक घायल हो गए।

20 मार्च, 2015 : देहरादून से वाराणसी जा रही जनता एक्सप्रेस में एक बड़ा हादसा हुआ था। यूपी के रायबरेली में बछरावां रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन का इंजन और दो डिब्बे पटरी से उतर जाने से 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 150 अन्य घायल हो गए थे।

जनरल वीके सिंह ने स्वनिधि योजना के तहत बांटे चेक

गाजियाबाद। केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री व स्थानीय सांसद जनरल वी के सिंह ने बृहस्पतिवार को चंद्रपुरी में स्थित नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित स्वनिधि महोत्सव स्वावलंबी रेहड़ी पटरी वालों द्वारा आयोजित स्वरोजगार से जुड़ी वस्तुओं की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी गाजियाबाद नगर निगम और जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) ने लगाई थी। स्वनिधि योजना के तीन वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस योजना के तहत रेहड़ी पटरी वालों को हर महीने एक हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है। इस मौके पर जनरल वी के सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों के हित

में कुछ न कुछ योजना चला रखी है। कोरोना के दौरान रेहड़ी पटरी वालों को फिर से आर्थिक रूप में मजबूत करने के लिए यह योजना चलाई गई थी। इसके तहत रेहड़ी पटरी वालों को रोजगार स्थापित करने के लिए दस हजार रुपए का लोन भी दिया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि गाजियाबाद में अब तक 42 हजार रेहड़ी पटरी वालों ने इस योजना का लाभ लिया है। आठ योजनाएं चल रही हैं, जिनसे रेहड़ी पटरी वाले लाभ ले सकते हैं। इनमें जीवन ज्योति बीमा, जनधन, वन नेशन वन राशन कार्ड, श्रम योगी मानधन, बीओसीडब्ल्यू, पीएम जननी सुरक्षा, मातृ वंदना योजना शामिल है। जनरल वी के सिंह ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को चेक वितरित किए। इस मौके पर जिलाधिकारी राकेश कुमार जी, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, कई पार्षद और भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यभार ग्रहण करते ही एक्शन में महापौर सुनीता दयाल

सब हेड अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक ली, बुधवार को नगर आयुक्त के साथ किया विजयनगर जोन का निरीक्षण

गाजियाबाद। महापौर पद पर रिकॉर्ड मतों से जीती सुनीता दयाल ने सोमवार यानि 29 मई को कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करते ही वे एक्शन में आ गई। अधिकारियों के साथ ताबड़तोड़ बैठकें करने के बाद शहर का जायजा लेने फील्ड पर उतर गईं। बुधवार को नगर आयुक्त के साथ महापौर सुनीता दयाल ने विजयनगर जोन का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों का लिया जायजा।

जायजा लेने के दौरान मेयर सुनीता दयाल ने लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को भी जाना। उनके निरीक्षण से नगर निगम के विजयनगर जोन के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में तैयारियां की गई।

मेयर सुनीता दयाल ने विजयनगर जोन का निरीक्षण करने का अचानक ही प्लान बनाया। इसकी भनक अधिकारियों को भी नहीं लगी। मेयर सुनीता दयाल ने बुधवार शाम अचानक ही नगर आयुक्त को विजयनगर जोन का जायजा लेने के लिए चलने को कहा। नगर आयुक्त के साथ उन्होंने विजय नगर जोन के डीपीएस चौराहा, अकबरपुर बहरामपुर व अन्य मुख्य मार्गों का जायजा लिया। महापौर ने विशेष रूप से नालों की सफाई व्यवस्था को देखा। लेकिन मेयर ने नालों में लगी जाली को प्रत्येक सप्ताह साफ करने के निर्देश दिए।

वहीं मौके पर मौजूद नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर एन के चौधरी को नालों की मरम्मत करने और सभी पुलिया का निरीक्षण कर रिपोर्ट पेश करने को कहा। उन्होंने कहा कि बरसात से पहले सभी नालों की साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अगले पंद्रह दिनों तक नालों की सफाई का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इस बार बरसात के दिनों शहर में जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है।नगर आयुक्त ने कहा कि मेयर के निर्देश पर सभी नालों का निरीक्षण के दौरान वीडियोग्राफी भी की जा रही है ताकि अधिकारी वर्तमान स्थिति का जानकारी ले सके। सभी पुलिया का जायजा लेने के बाद रिपोर्ट बनेगी कि किस पुलिया में कितना काम कराना है। निरीक्षण के दौरान महापौर तथा नगर आयुक्त ने स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन तथा ट्रिपल आर योजना का भी जायजा लिया। गाजियाबाद नगर निगम टीम के कार्यों पर नगर आयुक्त ने संतोष जाहिर किया।

स्वच्छता सर्वेक्षण और नालों की सफाई पर रहेगा फोकस

वहीं, मेयर सुनीता दयाल ने कहा कि चार्ज लेने के बाद अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि फिलहाल अगले पंद्रह दिनों तक सिर्फ नालों की सफाई और स्वच्छता सर्वेक्षण पर फोकस किया जाए। छह जून से स्वच्छता सर्वेक्षण का काम शुरू होगा। ऐसे में शहर की सफाई व्यवस्था को और अधिक अच्छा कर रैंकिंग में सुधार लाना होगा। इसके लिए उन्होंने नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश को सफाई व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। महापौर ने कहा कि अगले पंद्रह दिनों में शहर साफ सुथरा दिखना चाहिए। इस दौरान नालों की भी सफाई का काम पूरा होना चाहिए।

नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि बरसात से पहले तक सभी नालों और नालियों को साफ करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रतिदिन अधिकारियों की ओर से निरीक्षण भी रखा गया है। रोस्टर के अनुसार, सभी जोनों के नालों की सफाई काम किया जाएगा।

इसके लिए क्षेत्रीय पार्षद व जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जा रहा है। नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में शहर को नंबर वन पर लाने के लिए शहर के लोगों से हर संभव सहयोग करने को कहा। निरीक्षण के दौरान मौके पर अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव, उद्यान प्रभारी डॉ अनुज, महाप्रबंधक जल आनंद त्रिपाठी प्रकाश, प्रभारी योगेंद्र यादव व अन्य संबंधित टीम उपस्थित रहीं।

शहर में अत्याधुनिक प्रेस क्लब बनेगा

मेयर सुनीता दयाल ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ यानि मीडिया के लिए भी आवश्यक घोषणा की। उन्होंने कहा कि मीडिया की सुविधा के लिए शहर में अत्याधुनिक प्रेस क्लब की स्थापना की जाएगी। प्रेस क्लब में मीडियावालों के लिए रेस्टॉरेंट, कांफ्रेंस हॉल के साथ सभी सुविधाएं होंगी। प्रेस क्लब के लिए जमीन की तलाश करने के निर्देश दे दिए गए हैं। जैसे ही जमीन चिन्हित हो जाएगी, वैसे ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। एक साल के भीतर निर्माण कार्य को पूरा किया जाएगा। सुनीता दयाल ने कहा कि शहर में विकास कार्यों की उनके पास कई योजनाएं हैं। अगर किसी को शहर के लिए अलग से कुछ कराने का विचार है तो वे उनके साथ विचार शेयर कर सकते हैं।

लखनऊ-कानपुर रेलवे लाईन के किनारे बन रहा डिफेन्स कॉरीडोर

गाज़ियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा डिफेन्स कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें से छह डिफेन्स नोड विकसित किए जा रहे हैं। उसमें से एक डिफेन्स नोड लखनऊ कानपुर मेन रेल लाईन के नजदीक भटगांव लखनऊ में विकसित किया जा रहा है। इस स्थान पर ब्रम्होस की एक इकाई का निर्माण भी चल रहा है, जो शीघ्र ही पूर्ण हो जाएगा। यह नोड लखनऊ-कानपुर रेलवे लाईन से सटा हुआ है। यहां समुचित स्थान पर एक कॉमन फैसिलिटी रेलवे साइडिंग यार्ड बनाए जाने की आवश्यकता है।

पीएम जल जीवन मिशन में गाजियाबाद को देश में मिला पहला स्थान

मुख्य विकास अधिकारी की निगरानी में 140 गांवों में जल पहुंचाने का काम जारी है

गाज़ियाबाद। गाजियाबाद के मुख्य विकास अधिकारी यानि सीडीओ विक्रमादित्य सिंह मलिक की मेहनत रंग लाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट जल्द जीवन मिशन में सबसे बेहतर काम करने के लिए गाज़ियाबाद को देश भर में पहली रैंक पर आंका गया है। इस महीने की रैंकिंग मंगलवार को जारी की गई है।

गाजियाबाद जिले को पूरे 100 नंबर मिले

जल जीवन मिशन को लागू करने के लिए मई महीने के कामकाज पर मंगलवार को रैंकिंग जारी की गई हैं। यह रैंकिंग सौ अंकों के आधार पर दी गई हैं। खास बात यह है कि गाज़ियाबाद ज़िले को पूरे सौ नंबर मिले हैं। इस तरह गाजियाबाद जिला पूरे देश में और उत्तर प्रदेश राज्य में पहले स्थान पर रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि पिछले महीने की रैंकिंग में गाज़ियाबाद जिला पूरे देश में दूसरे स्थान पर था। हम लोगों ने ज़िले को नंबर वन बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जिसके लिए गाज़ियाबाद जिला प्रशासन, विकास विभाग, ज़िले की तमाम ग्राम पंचायतों और कार्यदायी एजेंसियों ने मिलकर काम किया है। हम लोग टाइमलाइन के हिसाब से काम कर रहे हैं। हमने समय से पहले लक्ष्य हासिल कर लिया।

यूपी के टॉप पांच जिलों में मेरठ मंडल के चार जिले

जल जीवन मिशन को लागू करने के

लिए जारी रैंकिंग में उत्तर प्रदेश के ज़िलों को रैंक दी गई हैं। उत्तर प्रदेश में गाज़ियाबाद नंबर एक पर है। नंबर दो पर हापुड़ जिला है। तीसरे स्थान पर जिला गौतमबुद्धनगर है। शाहजहांपुर ज़िले को चौथा स्थान मिला है। पांचवें नंबर पर मेरठ है। इस तरह उत्तर प्रदेश के टॉप पांच ज़िलों में मेरठ मंडल के चार ज़िले शामिल हैं। प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए मिले अंकों की बात करें तो गाज़ियाबाद को पूरे 100 नंबर मिले हैं। हापुड़ ज़िले को 98.87 नंबर मिले हैं। गौतमबुद्ध नगर ज़िले को 96.17 नंबर मिले हैं।

गाजियाबाद जिले के 140 गांवों में मिलेगा पीने का साफ पानी

गाजियाबाद जिले के 140 गांवों के लिए बड़ी खबर है। इन गांवों में करीब आठ लाख लोगों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना 'जल जीवन मिशन' पर तेजी से काम चल रहा है। गाजियाबाद के मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मालिक इस परियोजना की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पेयजल की सप्लाई सिस्टम विकसित किया जा रहा है। सभी 140 गांवों में काम शुरू हो चुका है।

गाजियाबाद के ग्रामीण क्षेत्रो में पाइप पेयजल योजना के माध्यम से प्रत्येक घर मे पेयजल कनेक्शन दिया जाएगा। इनके जरिए जलापूर्ति की जाएगी। गाजियाबाद में जल जीवन मिशन के तहत कुल 148 ग्राम चयनित किए गए थे। जिनमें से 8 गांव जिले के नगर निकायों में सम्मिलित हो गए हैं। लिहाजा, 140 गांवों को इस परियोजना का लाभ दिया जाएगा। इन गांवों में 125 ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई सिस्टम विकसित किए जाएंगे। 140 में से 98 गांवों में निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिए हैं। इनमें 99 नलकूप बना लिए गए हैं। अब 81 ओवरहैड टैंक का निर्माण चल रहा है। जिनमें से 14 ओवरहैड टैंक बन चुके हैं।

संवेदनहीन दिल्ली

पिछले सप्ताह देश में एक घटना ने लोगों को झकझोर दिया। लोग यह सोचने पर मजबूर हो गए कि आखिर कोई से बेरहमी और दरिंदगी कैसे कर सकता है। सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि यह घटना राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हुई है, जहां से पूरे देश में संदेश जाता है। इस घटना ने दिल्ली के सुरक्षित होने के दावे की हवा निकाल दी है। एक मासूम से अल्पवयस्क लड़की को चालीस बार चाकू मारा गया। जब इस पर भी मन नहीं भरा तो पास पड़े बड़े पत्थर से पहले चार बार मारा गया। इस पर भी जब मन नहीं भरा तो वापस लौटकर फिर से पत्थर से सिर पर मारा गया।

जी हां, हम बात कर रहे है दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में नाबालिग साक्षी की हत्या की। इस घटना ने देश के लोगों को पूरी तरह से झकझोर दिया। लोग इस बात को लेकर चर्चा कर रहे हैं कि क्या दिल्ली के लोगों की संवेदनशीलता मर गई है? क्या दिल्ली के लोगों को सिर्फ और सिर्फ खुद की चिंता है?

दिल्ली में संवेदनहीनता का यह पहला उदाहरण नहीं है इससे पहले भी कई मामले ऐसे आ चुके हैं जिसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर राजधानी के लोगों में इंसानियत बची भी या नहीं। कुछ दिन पहले ही कंझावला कांड में भी इंसानियत शर्मसार हुई थी जिसमें लोग एक युवती को गाड़ी के नीचे कई किलोमीटर तक घसीटते रहे।

एक लड़का, जो ज्यादा हटटा कटटा भी नहीं है, वह सबके सामने एक नाबालिग लड़की को चाकू घोंपे जा रहा था लेकिन

आसपास के लोगों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा था। निर्दयी युवक साहिल खान चाकू से लगातार वार करता जा रहा था लेकिन कोई भी उसे रोकने की कोशिश नहीं कर रहा था। घटना के समय चार-पांच युवक जो हमलावर से काफी अच्छी सेहत वाले लग रहे थे, वहीं पास से गुजर रहे थे लेकिन उन्होंने रोकना को दूर, शोर मचाना भी गवारा नहीं समझा। क्या ऐसे संवेदनहीन और असभ्य लोगों को घटना का चश्मदीद या फिर सीधे रूप से कहे तो 120बी का मामला नहीं बनता है? क्या 120बी यानि अपराध के षडयंत्र में शामिल होने का कारण नहीं बनता है?

हत्यारे को नहीं है पछतावा

पूछताछ में साहिल ने पुलिस को बताया कि उसे साक्षी को जान से मारने का कोई पछतावा नहीं है। हत्यारे को पुलिस और समाज का जरा भी डर नहीं था। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि साहिल और युवती के बीच संबंध थे, लेकिन रविवार को दोनों के बीच विवाद हो गया था। जब युवती अपनी सहेली के बेटे के जन्मदिन में जा रही थी तो इसी दौरान साहिल ने उसे गली में रोक लिया। दोनों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद आरोपी साहिल ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। जब इतने में भी मन नहीं भरा तो आरोपी ने कई बार उस पर पत्थर उठाकर मारा। पूछताछ में साहिल ने बताया कि साक्षी उससे बात नहीं करती थी। जिस कारण वे परेशान रहने लगा। परेशानी में आकर उसने साक्षी को जान से मारने की प्लानिंग की। वहीं, सीसीटीवी से यह बात सामने आई है कि हत्या को अंजाम देने से तीन मिनट पहले साहिल ने किसी एक लड़के से बात की थी। घटना के बाद से ही यह लड़का फरार है। पुलिस उसे तलाश रही है।

हत्यारा साहिल के सोशल मीडिया अकाउंट से उसकी हरकतें पता चल रही हैं। इंस्टाग्राम पर वह लगातार वीडियो पोस्ट करता रहता था। आखिरी रील उसकी 6 हफ्ते पहले की है। कुछ में गाली भी है। एक वीडियो में वह हुक्का पीते दिखाई देता है और टीवी पर गाना सुनता रहता है 'दिल्ली में करता बदमाशी...।' पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू और उसका मोबाइल भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने बताया कि साक्षी ने साहिल को चेतावनी दी थी कि वह उससे दूर ही रहे। साहिल खान ने कथित तौर पर साक्षी के हाथ पर दूसरे लड़के का टैटू देख लिया था, जिससे वह आपा खो बैठा। साहिल के हाथ में कलावा दिखने के बाद पुलिस मामले की व्यापक जांच में जुट गई है। कुछ लोग बता रहे हैं कि इलाके के लोग उसे 'सन्नी' के नाम से जानते थे। यह भी कहा जा रहा है कि साहिल की असलियत साक्षी को पता चल गई थी और इसीलिए वह उससे दूरी बनाना चाहती थी।

नजीर बनेगी सजा

स्पेशल कमिश्नर दीपेंद्र पाठक ने कहा कि हम जांच में कोई पहलू नहीं छोड़ेंगे। इस मामले में कड़ी सजा दिलाने की कोशिश होगी, जिसमें फांसी की सजा भी शामिल है। उसे ऐसी सजा दिलाई जाएगी जो एक नजीर बनेगी। साक्षी के एक दोस्त ने पुलिस को बताया है कि साहिल इस बात से गुस्से में रहता था कि वह उससे बात क्यों नहीं करती है।

हत्या कर रिठाला गया था साहिल, गोलमोल जवाब दे रहा

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि साक्षी की चाकू मारकर हत्या करने के बाद साहिल रिठाला भाग गया था। वहीं पर उसने हथियार फेंका और बस से बुलंदशहर के लिए निकल गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि साहिल ने हत्या के फौरन बाद फोन स्विच ऑफ कर लिया था। हालांकि पुलिस ने फोन बरामद कर लिया है। बुलंदशहर जाने के लिए उसने दो बसें बदली थीं। उसने पुलिस के कई सवालों का जवाब ठीक से नहीं दिया। वह पुलिस को गुमराह करने के लिए ऐसा कर रहा है।

तीसरे शख्स की एंट्री

साक्षी मर्डर केस में अब एक तीसरे शख्स की एंट्री हो गई है। यह है झबरू। पूछताछ में साहिल ने बताया कि साक्षी झबरू के साथ बातें करती थी जिसे वह पसंद नहीं करता था। हालांकि सहेली के हवाले से बताया जा रहा है कि जब साक्षी को साहिल की असलियत का पता चला तो उसने दूरी बना ली थी झबरू ने साहिल ने उसका नाम इसलिए लिया क्योंकि हम तो मरेंगे ही, दूसरे को भी लेकर मरेंगे। उसको तो मरना ही है। वो मेरे को भी साथ में लेकर मरना चाहता है।

व्यापार बंधु की बैठक में व्यापारियों ने खुल कर रखीं अपनी बातें

गाजियाबाद। पिछले सप्ताह हुई व्यापार बंधु की बैठक में व्यापार जगत की समस्या व शिकायतों पर चर्चा के साथ कई समस्याओं का निवारण भी किया गया। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में व्यापारियों ने खुलकर अपनी बातें रखीं। व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष गोपीचंद ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से आ रही समस्याओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जीडीए का रूख सहयोगात्मक नहीं होता है। समस्या व शिकायतों को ले जाने पर उनका निस्तारण करने की अधिकारियों की इच्छा नहीं होती है। महानगर महामंत्री अशोक चावला ने कहा कि काफी समय से नगर निगम, बिजली विभाग की समस्याओं का हल नहीं हो पा रहा है। बैठक में बताया गया कि गांधीनगर में सुलभ शौचालय कार्य की वित्तीय बिड शीघ्र ही खोली जाएगी। गांधीनगर से जीटी रोड तक जाने वाले नाले में गंदगी और नाला जाम होने की समस्या को उठाया गया। इस पर अधिकारियों ने कहा कि जमा पानी को जल्द ही जीटी रोड से गांधी नगर आने वाले रास्ते में बनी पुलिया के नीचे सुराग कर खोला जाएगा। नहीं तो नई पुलिया बनाई जायेगी। डायमंड फ्लाईओवर के नीचे व सर्विस लाईन में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। व्यापारियों ने इस मामले को भी उठाया। इस पर नगर निगम अधिकारी ने कहा कि नगर निगम द्वारा उस सड़क को बनाने का टेंडर भी जारी कर दिया गया है। युवा महामंत्री वसीम अली ने लाइनपार क्षेत्र विजय नगर, प्रताप विहार, डूंडाहेरा ,अकबरपुर बहरामपुर, राहुल विहार की समस्याओं से अवगत कराया। व्यापार बंधु की सभा में अध्यक्ष गोपीचंद, महामंत्री अशोक चावला , प्रांतीय युवा महामंत्री राजदेव त्यागी, जिला महामंत्री पंकज गर्ग हितेंद्र शर्मा,वसीम अली, मोहम्मद गालिब, मुंशुर अंसारी, आदि व्यापारी नेताओं ने सभा में भाग लिया। अधिकारियों में जिलाधिकारी आरके सिंह, जीएसटी विभाग, नगर निगम, विद्युत विभाग, जीडीए विभाग, फूड विभाग आदि विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। सभी समस्याओं को सुनने के पश्चात जिलाधिकारी आरके सिंह ने भरोसा दिया कि शेष कार्यों को जल्द पूरा करा लिया जाएगा।

निगम के स्पोर्ट्स प्लाजा का जल्द होगा उद्घाटन, नगर आयुक्त की उपस्थिति में बच्चों ने खेला क्रिकेट, हुआ ट्रायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा राज नगर फ्लाईओवर के नीचे स्पोर्ट्स प्लाजा बनाया है जिसमें खिलाड़ियों की सुविधानुसार व्यवस्थाएं की गई है, स्पोर्ट्स प्लाजा में लगभग सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है शीघ्र ही योजना बनाते हुए स्पोर्ट प्लाजा का शुभारंभ किया जाएगा और व्यवस्था अनुसार शहर के खिलाड़ियों को एक अच्छा स्थान खेलने के लिए मिलेगा।

नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ की योजनाओं के क्रम में स्पोर्ट्स प्लाजा शहर मे आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिस स्थान पर गंदगी रहती थी वही स्थान वर्तमान में खिलाड़ियों व अन्य शहर वासियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी नगर आयुक्त महोदय द्वारा बताया गया कि लगभग सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है उसी क्रम में बच्चों का एक ट्रायल भी लिया गया जिसमें एनएसजी व टी एन एम अकादमी के बाल खिलाड़ियों द्वारा क्रिकेट खेला गया, आए हुए खिलाड़ियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया, आगामी सप्ताह में स्पोर्ट्स प्लाजा का उद्घाटन किया जाएगा। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए अनेकों योजनाएं बनाई जा रही है जिनको महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ के नेतृत्व में शहर हित में लाया जाएगा जनप्रतिनिधियों का भी विशेष सहयोग निगम की योजनाओं में प्राप्त हो रहा है, स्पोर्ट्स प्लाजा भी उसी का एक स्पष्ट उदाहरण है नगर आयुक्त द्वारा स्वयं भी क्रिकेट खेलकर ट्रायल लिया, मौके पर निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एनके चौधरी व अन्य टीम उपस्थित रही ।

Editorial

Clamp down on 4000 illegal madarsas in UP

When Yogi Adityanath took over charge as chief minister for the second time in 2022, he made it clear that no illegal madarsa will be there in Uttar Pradesh. A massive drive was carried away to identify illegal madarsas in the state. After the drive, which went on for over a year, the government identified about 4000 illegal madarsas. Now, the government is preparing to clamp down on all these 4000 illegal madarsas. The government said these madarsas get foreign funds across the state, but several don't have legitimate records of these sources. State Minister for minority welfare department Dharampal Singh has asked his department to proceed for clamping down of these madarsas. He said that the kids from financially weaker sections of minority communities are lured into questionable activities. The government wants children of the minority community to get modern education. However, it has been found that many madarasas are getting funds from abroad. But they dont have proper legitimate documents. Following a probe, legal action will be taken against such madarasas. An action plan has been chalked out by the officials of the minority welfare department and the police in this regard. Madarasa management running on the UP-Nepal border is surprisingly is reported to have accepted that they get funds from metro cities like Mumbai, Chennai, Kolkata, Delhi, and Hyderabad. However, investigations have revealed that the money in these madarasas was coming in from Arab countries, including countries like Saudi Arabia, United Arab Emirates, Nepal and Bangladesh. Notably, the two-month-long survey conducted by the BJP government last year revealed that out of over 25,000 madrassas in the state, 8,449 were not recognised by the state Madrasa Board.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

New Parliament Building and importance of Sengol

Amid boycott by opposition parties, Prime Minister Narendra Modi on Sunday inaugurated the new parliament. The Modi government did not leave a single opportunity to make it a big and historical event. The event began with a puja and havan, performed by a host of religious leaders from all sects. Prime minister Modi installed the historic Sengol in beside the seat of Speaker, Lok Sabha.

With chanting of vedas by priests from Karnataka's Shringeri math, Prime Minister Modi performed Ganapati Homam to invoke Gods to bless the inauguration of the new Parliament building. The Prime Minister prostrated before the Sengol and sought blessings from high priests of various adheenams in Tamil Nadu in the Lok Sabha.

Seventy-five years and nine months after the British transferred power to Indians in the Council House, which became independent India's Parliament, history is being written all over again. The sengol, or the five-feet golden stick with royal insignia that was handed over to India's first Prime Minister, Jawaharlal Nehru, on August 14-15, 1947, to symbolize the transfer of power. After freedom movement leader C Rajagopalachari suggested the ceremonial gesture to mark the occasion in a throwback to the Chola period. The handover of the sengol was meant to symbolize the transfer of power, it was a symbol of righteousness and justice. After the festivities in 1947, it was laid in Anand Bhavan in Allahabad, now Prayagraj, which used to be Nehru's personal residence. Later it was subsequently moved to a local museum. Officials, on a prompt by a Tamil Nadu artist, found it after a hunt, had it validated by the Chennai-based jewellers who had crafted it, and restored it to its glory for Sunday's event. The handover of the sengol completes the spectacle, invoking the glory of the past from a land that was 'unsullied' by foreign (Muslim) invasions, and bringing in the Hindu religious significance into an occasion that should have been the most secular of all — the new Parliament building that belongs to all Indians. In this sense, Modi's 'coronation' is complete with the new Parliament as his 'durbar', ministers as courtiers, and a pliant media as his personal record-keeper.

Get to know famous temples in Ghaziabad

Ghaziabad is is one of the largest industrial cities of Uttar Pradesh. The natural beauty of the place attracts tourists immensely. The city is very famous for its culture and heritage. Therefore, many fairs and festivals are celebrated here. Ghaziabad, situated at the western end of Uttar Pradesh, is also known as Gateway to UP. Actually this district is adjacent to Delhi. Talking about the history of Ghaziabad, this district is very old. The city was founded in 1740 by Wazir Ghazi-ud-dun, the minister of Emperor Muhammad Shah. It was declared as a district on 14 November 1976. Before that it used to come under Meerut. If we talk about the tourist places of Ghaziabad, then there are many tourist spots here. Apart from this, the tourist places here are very special for couples. It has many historical places and temples. In this issue, we will talk about famous temples in Ghaziabad.

Shree Dudheshwar Nath Mahadev Math Temple Ghaziabad

Shri Dudheshwar Nath Mahadev Temple is a famous temple in Ghaziabad. This temple is the ancient temple of Ghaziabad city. This temple is dedicated to Lord Shiva. Meets in the temple to have darshan of the Shivling. In the temple, you get to see many more Shivlingas, which have been built as the tombs of famous saints. Here Ardhanarishwar meets to have a darshan of the Shivling idol. It is said that Ravana used to worship Shiva in this temple which was later rebuilt by Chhatrapati Shivaji. Ravana's father also did penance here and he built Kailash here. Ravana's father's name was Vishweshrava. Lord Shankar is known as Vishweshwar in Kashi. The history of Shri Dudheshwar Mahadev Temple is very interesting, which you can know by coming here. You will get to see very beautiful temples here. The temple complex is huge and the design of the temple looks very attractive. There is also a Gaushala here, where cows are taken care of. You can also go for a walk in the Gaushala here. There are many Prasad shops outside the temple, from where you can take Prasad to offer to the Lord.

Sikri Mahamaya Devi Temple Ghaziabad

Maa Mahamaya Devi Temple is a famous temple in Ghaziabad. This temple is located in Sikri Khurd village of Modinagar in Ghaziabad. In this temple, we get to see the very beautiful idol of Maa Mahamaya. Looking at this statue, it seems that this statue is alive. The mind gets peace by coming here. This temple is ancient. It is said about this temple that the revolutionaries were hanged by the British in the premises of this temple. Come here and ask whatever you wish from Maa Mahamaya. She definitely fulfills your wishes. This temple is situated in Sikri village. That's why this temple is also known as the temple of Sikri Wali Mata. A huge fair is held at Sikri Mata Temple during Navratri, in which big swings and many shops are set up here. In this fair, people come from far and wide to have darshan of the mother. This temple is built in a very beautiful way and if you go to Ghaziabad to visit, then you can also come to visit this temple. This temple is located in Modinagar in Ghaziabad.

Chaupla Hanuman Mandir Ghaziabad

Chaupla Hanuman Mandir is a famous temple in Ghaziabad. This temple is located near Ghantaghar in Ghaziabad district. This temple is situated in the main market. You can come here for a walk. Here we meet to see the very beautiful idol of Hanuman ji. It is said that after coming to the temple and seeing Hanuman ji, whoever asks for his wish. His wishes definitely come true. There is a market around here and there is also a lot of food and drink shops, where you get different types of food items. This is the ancient temple of Ghaziabad.

नोएडा की इंडस्ट्रियल टाउनशिप को लेकर केंद्रीय मंत्रियों ने की चर्चा

नोएडा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेन्ट एंड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट की अपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की दूसरी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उत्तर प्रदेश की ओर से औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी शामिल हुए।

बैठक में भारत सरकार के सहयोग से ग्रेटर नोएडा में दिल्ली-मुम्बई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड (आईआईटीजीएनएल) को लेकर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब परियोजनाओं पर भी प्रजेन्टेशन किया

गया।

302.60 हेक्टेयर में हो रही आईआईटीजीएनएल की स्थापना

प्रदेश के मंत्री नंदगोपाल नन्दी ने बताया कि इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड (आईआईटीजीएनएल) टाउनशिप 302.60 हेक्टेयर में स्थापित की गई है। जहां अवस्थापना सम्बंधी कार्य रोड निर्माण, पानी, सीवेज आदि सुविधाएं 426 करोड़ रुपए में पूर्ण कर ली गई हैं। जिसमें 158.5 एकड़ भूमि हायर, फ्रोम, सत्कृति, चेनफेंग, जेवर्ल्ड, गुरुअमरदास, हरियाणा सिटी गैस और टाइमसर्वर सर्विसेज को आवंटित की जा चुकी है। शेष भूमि के लिए ई-टेंडर की कार्यवाही की जा रही है।

मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के लिए चल रहा कार्य

उन्होंने कहा कि मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब एवं मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के लिए 478.8 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें से 407.9 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। 227.8 हेक्टेयर भूमि सेल डीड के माध्यम से हस्तांतरित भी की जा चुकी है। मंत्री नन्दी ने बताया कि नोएडा मेट्रो के एक्वालाईन के अनुमोदन के लिए अवस्थापना विकास की परियोजनाएं ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी द्वारा तैयार की गई है। जिन्हें आवश्यकतानुसार पीएम गति शक्ति के अंतर्गत प्रेषित किया जाएगा।

लखनऊ-कानपुर रेलवे लाईन के किनारे बन रहा डिफेन्स कॉरीडोर

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा डिफेन्स कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें से छह डिफेन्स नोड विकसित किए जा रहे हैं। उसमें से एक डिफेन्स नोड लखनऊ कानपुर मेन रेल लाईन के नजदीक भटगांव लखनऊ में विकसित किया जा रहा है। इस स्थान पर ब्रम्होस की एक इकाई का निर्माण भी चल रहा है, जो शीघ्र ही पूर्ण हो जाएगा। यह नोड लखनऊ-कानपुर रेलवे लाईन से सटा हुआ है। यहां समुचित स्थान पर एक कॉमन फैसिलिटी रेलवे साइडिंग यार्ड बनाए जाने की आवश्यकता है।

निवेश प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण कदम, उद्यमी मित्रों का प्रशिक्षण शुरू

लखनऊ। मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना के तहत चयनित अभ्यर्थियों के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। इसे उत्तर प्रदेश में निवेश परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री के सलाहकार अरविंद कुमार और इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिषेक प्रकाश ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण की अवधि 14 दिन है। इस अवधि के दौरान 26 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिसमें विभिन्न निवेश नीतियों, नियमों, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और विभिन्न पोर्टलों की जानकारी के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों की यात्रा शामिल है। विभाग-वार सत्र निर्धारित किए गए हैं। जिसमें राज्य सरकार की प्रमुख परियोजनाएं जैसे ट्रिलियन-डॉलर अर्थव्यवस्था का विकास, डिफेंस कॉरिडोर के साथ-साथ राजस्व संहिता, लैंड बैंक एवं भूमि की दरें, आवंटन प्रक्रियाएं और स्वीकृतियों आदि पर सत्र शामिल हैं।

33 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश मिला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 और उसके बाद राज्य सरकार को प्राप्त 33 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए उद्यमी मित्रों की भर्ती के निर्देश जारी किए थे। प्रारंभिक सत्र में अरविंद कुमार ने नव चयनित उद्यमी मित्रों को राज्य सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे व्यापक इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए घोषित विभिन्न सुधारों और नीतियों से अवगत कराया। उन्होंने मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क, फार्मा पार्क, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और डिफेंस कॉरिडोर के 6 नोड्स जैसी आगामी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

अरविंद कुमार ने फरवरी-2023 में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू रोड शो के सफल आयोजन तथा निवेशक सुविधा के लिए विकसित किए गए समर्पित पोर्टल्स, जैसे- सिंगल विंडो निवेश मित्र पोर्टल, निवेशक संबंध प्रबंधन प्रणाली- निवेश सारथी पोर्टल, ऑनलाइन प्रोत्साहन प्रबंधन प्रणाली के विषय में बताया। इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिषेक प्रकाश ने उत्तर प्रदेश शासन की संरचना, संवैधानिक संरचना, विधानमंडल, सचिवालय और जिला एवं मंडल प्रशासन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि उद्यमी मित्रों को जिलों में तैनात किया जाएगा। जहां वे जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त को रिपोर्ट करेंगे। उन्होंने सचिवालय में अधिकारियों के पदानुक्रम के बारे में भी बताया कि मुख्य सचिव द्वारा कार्यपालिका के नेतृत्व में विभिन्न विभागों के प्रमुख अपर मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिवों द्वारा किस प्रकार कार्य किया जाता है। प्रशिक्षण के बाद प्रदेश सरकार जमीनी स्तर पर निवेशकों के सामने आने वाली समस्यों के निवारण के लिए उद्यमी मित्रों को इन्वेस्ट यूपी कार्यालय, जिला मुख्यालय और औद्योगिक प्राधिकरणों में तैनात करेगी।

विजय कुमार बने यूपी के कार्यवाहक डीजीपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आईपीएस विजय कुमार को यूपी का नया कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया है। आईपीएस अधिकारी आरके विश्वकर्मा अभी तक उत्तर प्रदेश पुलिस के कार्यवाहक डीजीपी के पद पर तैनात थे, लेकिन विश्वकर्मा 31 मई 2023 को रिटायर हो गए। जिसके बाद उत्तर प्रदेश का अगला कार्यवाहक डीजीपी आईपीएस विजय कुमार को बनाया गया है।

विजय कुमार 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनको यूपी का कार्यवाहक डीजीपी बनाया है। इसको लेकर योगी आदित्यनाथ की तरफ से आदेश जारी किया गया है। विजय कुमार अब 31 जनवरी 2024 तक यूपी के कार्यवाहक डीजीपी के

पद पर काम करेंगे। विजय कुमार 31 जनवरी 2024 को रिटायर हो रहे हैं।

विजय कुमार 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। इस समय विजय कुमार सीबीसीआईडी के पुलिस महानिदेशक के पद पर तैनात हैं। उनको विजिलेंस का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। विजय कुमार दलित वर्ग से ताल्लुक रखते हैं।

रैपिड रेल के पहले चरण का काम पूरा

गाजियाबाद। दिल्ली से मेरठ तक चलने वाली देश की पहली रैपिड रेल के पहले चरण का काम पूरा हो गया है। पहले चरण में साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच करीब 17 किलोमीटर के रूट पर हाईस्पीड रेल चलेगी। जिसका काम पूरा हो गया है। इसकी जानकारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम यानि एनसीआरटीसी ने दी।

सूत्रों का कहना कि इस सेक्शन के कार्यों का निरीक्षण मुख्यमंत्री खुद करेंगे। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के बाद प्रधानमंत्री इसका उदघाटन करेंगे। एनसीआरटीसी के अधिकारी ने बताया कि वैसे तो इसका काम जून तक होना था, लेकिन कर्मचारियों के बेहतर तरीके से काम मई में ही पूरा हो गया है। पहले चरण में 5 स्टेशन बनाए गए हैं। रैपिड रेल साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो तक 17 किलोमीटर के रूट पर पहले चरण में चलेगी। रैपिड रेल को एनसीआर में रैपिडएक्स के नाम से जाना जाएगा। अगले कुछ ही दिनों में देश की पहली हाई स्पीड रैपिड रेल दौड़ना शुरू कर देगी। इसके साथ लोग रैपिड रेल में सफर का आनंद लेने लगेंगे, लेकिन यह तो बस शुरूआत है। दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल के बाद एनसीआर में कई और शहरों तक रैपिड रेल ले जाने की सरकार तैयारी कर रही है। बहुत जल्दी इन दूसरे प्रोजेक्ट पर भी काम शुरू हो जाएगा। वह दिन दूर नहीं जब दिल्ली से 100 किलोमीटर के दायरे में चारों ओर रैपिड रेल का जाल फैल जाएगा। पहले चरण में साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो स्टेशन शामिल हैं। डीपीआर के मुताबिक एक किलोमीटर का सफर तय करने में ज्यादा से ज्यादा 2 रुपए की कीमत लगेगी। इसका मतलब यह है कि दिल्ली से मेरठ तक 82 किलोमीटर का सफर ज्यादा से ज्यादा 170 रुपए हो जाएगा। किराए के लिए किसी निजी एजेंसी का चयन नहीं किया गया है। मेट्रो बनाने वाली कंपनी सब कुछ तय करेगी।

करियर की बातें टीबीसी के साथ

वोकेशनल कोर्स के हैं फायदे ही फायदे

वोकेशनल कोर्स की फीस अन्य कोर्स की तुलना में कम होती है

अगर आप 10वीं या 12वीं के बाद जल्द से जल्द नौकरी करना चाहते हैं तो आपके लिए वोकेशनल कोर्स का विकल्प सर्वोत्तम रहेगा। इन स्किल बेस्ड कोर्स के जरिए व्यवसाय परक शिक्षा मिलती है। कोर्स खत्म करने के बाद नौकरी के विकल्प भी जल्दी मिल सकते हैं। इन कोर्स का खर्च भी कम होता है।

सरकारी संस्थान से वोकेशनल कोर्स करना चाहते हैं तो इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी यानि इग्नू और आईटीआई जैसे संस्थानों में करवाए जा रहे इन कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। वोकेशनल कोर्स विभिन्न स्तरों पर किए जा सकते हैं, जैसे कि सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन आदि।

वोकेशनल कोर्स के लिए अनिवार्य योग्यता

वोकेशनल कोर्स में डिग्री हासिल करने के लिए आपका 12वीं पास होना जरूरी है। 12वीं की बोर्ड परीक्षा में स्टूडेंट के 40 से 50 पर्सेंट नंबर होने अनिवार्य हैं। अगर आप वोकेशनल कोर्स किसी सरकारी संस्थान से करना चाहते हैं तो बेहद कम खर्चे पर कोर्स कर सकते हैं। इसकी फीस सिर्फ 15 से 20 हजार के बीच पड़ेगी।

वोकेशनल कोर्स के प्रकार

वोकेशनल कोर्स में डिप्लोमा करना काफी फायदेमंद होता है। वोकेशनल डिप्लोमा कोर्स की समय सीमा एक से दो साल होती है। इसमें संबंधित ट्रेड कोर्स की बेहतर जानकारी देकर कैंडिडेट में स्किल्स डेवलप की जाती हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद कैंडिडेट को शुरूआती दौर में 15,000 से 25,000 रुपये प्रति महीने तक सैलरी मिल सकती है।

10वीं के बाद वोकेशनल कोर्स

कुछ सीमित वोकेशनल कोर्स ऐसे भी हैं, जिन्हें दसवीं बोर्ड परीक्षा के बाद किया जा सकता है। जिन स्टूडेंट्स के 10वीं में 50 प्रतिशत अंक आए हैं, वो इन कोर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं। वोकेशनल कोर्स जॉब ओरिएंटेड होते हैं। इसमें अधिकतर सर्टिफिकेट कोर्स कराए जाते हैं।

प्रमुख वोकेशनल कोर्स की लिस्ट

वेब डिजाइनिंग, फैशन डिजाइनिंग, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन

डिजिटल मार्केटिंग, सिनेमेटोग्राफी, मल्टीमीडिया, कंप्यूटर एप्लीकेशन

मीडिया प्रोग्रामिंग, फूड टेक्नोलॉजी, बेकरी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, म्यूजिक

वोकेशनल कोर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन

यह कोर्स ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है। इसमें एडमिशन लेना चाहते हैं तो स्नातक स्तर पर 60 प्रतिशत नंबर होने जरूरी हैं। इस स्तर पर दाखिला एंट्रेंस एग्जाम के जरिए लिया जाता है। पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स की समय सीमा दो साल होती है। यह कोर्स करने के बाद कैंडिडेट की शुरूआती सैलरी 20 से 25 हजार रुपए के बीच होती है।

वोकेशनल डिप्लोमा कोर्स के लिए भारत में बेस्ट कॉलेज

1. जेवियर कॉलेज, कोलकाता- इस कॉलेज की वार्षिक फीस करीब 30 हजार रुपए है. यहां से एनीमेशन, ग्राफिक्स, मल्टीमीडिया कोर्स में डिप्लोमा हासिल कर सकते हैं।

2. जेवियर कॉलेज मुंबई, गोवा यूनिवर्सिटी, ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस कॉलेज से काउंसलिंग और साइकोलॉजी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन जैसे क्षेत्रों में डिप्लोमा कर सकते हैं। इनकी वार्षिक फीस लगभग 50 से 60 हजार रुपए है।

3. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मीडिया और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन कोर्स के लिए बेस्ट है।

4. रायत बहरा विश्वविद्यालय सिनेमेटोग्राफी और फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के लिए बेस्ट है।

फातिमा रशीद से कैसे बनीं नरगिस

बॉलीवुड की ब्यूटी क्वीन नरगिस आज भी लोगों के दिल-ओ-दिमाग में अपनी जगह बनाए हुए हैं। उनके जन्मदिन एक जून पर टीबीसी की ओर से इस महान अदाकारा के कुछ किस्सों से रूबरू कराते हैं।

उनकी सादगी की दुनिया आज भी मुरीद है। उनमें इतनी काबिलियत थी कि अकेले दम पर फिल्में हिट करा देती थीं। दरअसल, बात हो रही है नरगिस दत्त की, जो पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित होने वाली पहली बॉलीवुड अभिनेत्री थीं।

कर्ज उतारने के लिए फिल्मों में किया काम

सुनील दत्त की पत्नी और संजय दत्त की मां से पहले ही नरगिस की अपनी अलग पहचान थी। नरगिस की जिंदगी के तमाम ऐसे किस्से हैं, जिन्हें आपने शायद ही सुना होगा। एक्ट्रेस का असली नाम नरगिस ही नहीं था। उनका असली नाम फातिमा रशीद था। उन्होंने 1935 के दौरान बेहद कम उम्र में फिल्मों में काम शुरू कर दिया था। दरअसल, नरगिस का मां जद्दनबाई थीं, जिन्होंने कर्ज उतारने के लिए महज छह साल की नरगिस से फिल्मों में काम कराया था। जद्दनबाई ने ही फिल्म क्रेडिट में अपनी बेटी का नाम नरगिस रखा, जो हमेशा के लिए उनके साथ जुड़ गया।

तवायफ से भी था ताल्लुक

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि नरगिस का ताल्लुक एक तवायफ से था. दरअसल, उनकी नानी दलीपाबाई थीं, जो कुछ लोगों के बहकावे में आकर घर से भाग गई थीं। दलीपाबाई को कोठे पर बेच दिया गया था, जिनकी बेटी जद्दनबाई हुईं। जद्दनबाई को अपनी मां से भी बेहतरीन तवायफ होने का दर्जा मिला था, लेकिन संगीत से जुड़ाव होने के बाद कोठे से उनका साथ छूट गया और वह फिल्म जगत से जुड़ गईं।

नरगिस को ऐसे मिली थी मोहब्बत

जब नरगिस महज 28 साल की थीं, तब 'मदर इंडिया' में राधा का किरदार निभाने के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसी फिल्म से नरगिस को उनका जीवनसाथी भी मिला था। दरअसल, फिल्म के सेट पर आग लग गई थी, जिसमें सुनील दत्त ने अपनी जान पर खेलकर नरगिस को बचाया था। इसके बाद दोनों करीब आते चले गए और शादी कर ली। शादी के बाद नरगिस ने फिल्म जगत को अलविदा कह दिया।

कैंसर से छीन ली जिंदगी

नरगिस को अग्नाशय का कैंसर था, जिसका पता चलने पर न्यूयॉर्क में इलाज कराया गया। कुछ समय बाद वह भारत लौटीं तो उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई और वह कोमा में चली गईं। 3 मई 1981 को उनका निधन हो गया। इसके कुछ दिन बाद संजय दत्त की डेब्यू फिल्म 'रॉकी' रिलीज हुई, जिसकी एक सीट नरगिस के लिए खाली रखी गई थी।

एसटीएफ व थाना पुलिस ने किया 50 हजार के इनामी विशाल उर्फ मोनू को मुठभेड़ में ढेर

गाजियाबाद। गाजियाबाद एसटीएफ एवं मुरादनगर पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए हत्या के मामलों में वांछित चल रहे 50 हजार के इनामी कुख्यात बदमाश विशाल उर्फ मोनू को ढेर कर दिया गया ।

मोदीनगर शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि मुरादनगर छिजारसी गांव निवासी विशाल उर्फ मोनू की एसटीएफ और पुलिस को हत्या के दो मामलों में तलाश थी जिसमें छिजारसी गांव के नवीन भारद्वाज और गत 23 मई को रेलवे रोड पर मोबाईल व्यापारी मुकेश गोयल की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस सर्विलांस व मुखबिर के जरिए मोनू की तलाश में जुटी हुई थी। शुक्रवार को पुलिस को जानकारी मिली कि मोनू अपने एक साथी के साथ अपनी बहन से मिलने जा रहा है। पुलिस मुरादनगर नहर के किनारे घात लगाए बैठी थी जैसे ही मोनू अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल पर आता हुआ दिखाई दिया तो पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। बदमाश मोनू और उसके साथी ने रुकने के बजाय पुलिस पर फायर करते हुए भागने का प्रयास किया जिसमें जवाबी कार्यवाही करते हुए पुलिस और एसटीएफ की टीम ने मोनू और उसके साथी पर फायरिंग की जिसमें मोनू गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि उसका साथी मौके से भागने में सफल रहा।

बताया गया कि मुठभेड़ में दो पुलिस वाले भी घायल हुए है घायल अवस्था में मोनू और पुलिसकर्मियों को गाजियाबाद एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां विशाल उर्फ मोनू को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया जबकि पुलिस कर्मियों का इलाज अभी जारी है और वह खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। अजय कुमार मिश्र के अनुसार विशाल उर्फ मोनू पर करीब 13 मुकदमे दर्ज थे जिनमें हत्या रंगदारी लूट जैसे संगीन अपराध शामिल हैं मोनू मुरादनगर में अपराध का पर्याय बन चुका था उसकी मौत से मुरादनगर निवासियों ने राहत की सांस ली।

कस ली कमर, गाजियाबाद होगा टीबी मुक्त

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को दिया लक्ष्य, रोगियों को खोजें और उनका इलाज कराएं

गाजियाबाद। गाजियाबाद को क्षयरोग यानि टीबी से मुक्त करने के लिए प्रशासन के साथ कई सामाजिक और अन्य संस्थाओं ने कमर कस ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक भारत को टीबी से मुक्त कराने का लक्ष्य तय किया है। गाजियाबाद प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं ने 2025 से पहले ही गाजियाबाद को टीबी से मुक्त कराने का लक्ष्य तय कर लिया है। इसके लिए व्यापक पैमाने पर जागरूकता अभियान के साथ ही ट्रेसिंग एंड ट्रीटमेंट पर जोर दिया गया है।

जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने पिछले सप्ताह अधिकारियों और सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ टीबी को खत्म करने को लेकर बड़ी बैठक की। इस बैठक में टीबी रोगियों को खोज निकालने और उनका उपचार कराने पर जोर दिया गया। साथ ही गांव और वार्ड स्तर पर लाइन लिस्टिंग करने को भी कहा गया।

बैठक में जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को कमरों के बजाय ग्राउंड जीरो पर काम करने की नसीहत दी। बैठक में जिलाधिकारी ने सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधर और जिला टीबी रोग अधिकारी डॉ. डीएम सक्सेना की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि ऑफिस में बैठ कर निर्देश देने से टीबी नहीं जाएगा। ग्राउंड जीरो पर जाकर देखिए कि टीबी मरीजों की पहचान हो रही है या नहीं। अगर हो रही है तो उनका इलाज हो रहा है या नहीं। हर गांव और हर वार्ड में लाइन लिस्टिंग की जाए और ग्राम स्तर पर जन आरोग्य समिति को सक्रिय किया जाए। तभी टीबी को जड़ से खत्म किया जा सकेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में कुल 294 वार्ड और 164 गांव हैं। सभी की अलग-अलग सूची तैयार की जाए। हर गांव में उपचाराधीन क्षय रोगियों की एक सूची तैयार की जाएं। दो वर्षों में टीबी को हराकर ठीक हुए रोगियों की सूची भी तैयार करने और इस सूची को ग्राम प्रधान व वार्ड सदस्य/सभासद/पार्षद के साथ शेयर करें। दो वर्षों में टीबी की बीमारी को हराने वाले व्यक्तियों टीबी चैंपियन बनाया जाएं ताकि वे क्षय रोगियों के लिए प्रेरक का काम कर सकें। वे रोगियों को बताएंगे कि कैसे उन्होंने टीबी को मात दी और आज वह बिल्कुल ठीक व हर कार्य करने में समर्थ हैं।

जिलाधिकारी ने निवाड़ी, फरीदनगर, डासना और खोड़ा जैसे घनी आबादी वाले टीबी के प्रति फोकस्ड अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी रोगियों को खोज निकाला जाएं। उनका तुरंत इलाज शुरू कराया जाए।

टीबी संक्रमण पर काबू करने का यही एक तरीका है कि कम से कम समय में अधिक से अधिक रोगियों को खोजकर उपचार पर लाया जाए ताकि संक्रमण की कड़ी को तोड़ा जा सके।

जिलाधिकारी ने ग्राम स्तर पर जन आरोग्य समितियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए। जन आरोग्य समिति में ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, एनजीओ का प्रतिनिधि, आशा और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर जन आरोग्य समिति के सक्रिय होने से नीचे से सुधार शुरू आएगा। इससे ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त किया जा सकेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि ब्लॉक स्तर या जिला स्तर पर कोई भी बैठक दोपहर दो बजे के बाद ही रखी जाए। दो बजे तक का समय ओपीडी या आफिस में उपलब्ध होने का है। इस दौरान आप यदि कोई बैठक रखेंगे तो पब्लिक के लिए निर्धारित समय पब्लिक को नहीं मिल पाएगा। रोगी को ओपीडी में परामर्श नहीं मिल पाएगा, इसलिए बैठक दो बजे के बाद ही रखें। जिला टीबी अधिकारी डॉ. डीएम सक्सेना ने बताया कि 15 मई से शुरू हुए 21 कार्य दिवसीय विशेष क्षय रोगी खोज अभियान में अब तक 3800 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई है। इनमें से 1400 व्यक्तियों में टीबी के लक्षण मिले। उनके स्पुटम (बलगम) की जांच कराई गई। कुल 23 में क्षय रोग की पुष्टि हुई है। इसके अलावा क्लीनिकल डायग्नोसिस के बाद एक्स-रे रिपोर्ट में छह मामलों में टीबी की पुष्टि हुई है। सभी 29 रोगियों का उपचार शुरू कर दिया गया है।

गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेनो के लिए खुश खबरीः पर्थला ब्रिज का ट्रायल शुरू, जल्द होगा ओपेन

गाजियाबाद। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद आने जाने वाले लाखों लोगों के लिए बेहद खुशी की खबर है। रोज आने जाने वाले दो लाख वाहनों को जाम से राहत मिलने वाली है। सालों से चला आ रहा पर्थला सिग्नेचर ब्रिज का काम पूरा हो गया है। अब इस ब्रिज पर नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों ने वाहन ट्रायल की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वियना यूनिवर्सिटी के परीक्षण के सभी मानकों पर यह फ्लाईओवर खरा उतरा है। सिग्नेचर ब्रिज पुल से जुड़ा काम पूरा किए जाने की आखिरी तारीख 31 मई रखी गई थी, जिसे पूरा कर लिया गया है। अब ब्रिज ट्रायल के लिए पूरी तरह तैयार है। ट्रायल के बाद इस ब्रिज को पब्लिक के लिए खोल दिया जाएगा। इस ब्रिज के शुरू होने से गाजियाबाद और नोएडा, ग्रेटर नोएडा आने जाने वालों को जाम से नहीं जूझना पड़ेगा। नोएडा अथॉरिटी के अधिकारियों के मुताबिक, पर्थला चौक पर सर्विस रोड का काम पूरा हो चुका है। फ्लाईओवर का काम भी पूरा कर लिया गया है। बुधवार को अथॉरिटी और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। अथॉरिटी ट्रैफिक पुलिस को फ्लाईओवर दिखाकर खोलने से पहले के सुझाव मांगे। ट्रायल में ट्रैफिक पुलिस यह अध्ययन करेगी कि फ्लाईओवर खुलने से चार मूर्ति गोल चक्कर पर ट्रैफिक का दबाव कैसा रहेगा। इस ट्रायल को सुबह और शाम पीक आवर में नहीं किया जाएगा। अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इस ब्रिज के खुलते ही एफएनजी समेत ग्रेनो वेस्ट की ओर से किए गए डायवर्जन को समाप्त कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ कई महीनों से नोएडा में पर्थला गोलचक्कर पर निमार्णाधीन सिग्नेचर ब्रिज तेजी लाने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू कर रखा है। ये प्लान निर्माण कार्य पूरा होने तक जारी रहेगा। इसके तहत सेक्टर-71 से पर्थला गोलचक्कर होकर किसान चौक की ओर जाने वाला यातायात का डायवर्जन है। इस प्रोजेक्ट से करीब दो लाख से अधिक वाहन रोजाना प्रभावित होते हैं। इसके बन जाने के बाद गाजियाबाद, हापुड-मेरठ और नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के वाहन बिना रुके कालिंदी कुंज और डीएनडी की ओर सीधे आ जा सकते है। इस ब्रिज के बनने के बाद किसान चौक पर जाम की स्थिति से निपटना यातायात विभाग के लिए बड़ी चुनौती होगी।

इन सेक्टरों में रहने वालों को होगा फायदा

इस फ्लाईओवर के बनने से सेक्टर-51, 52, 61,70 ,71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 121,122 और किसान चौक की ओर जाने वालों का सफर आसान हो जाएगा। दिल्ली से गाजियाबाद और हापुड़ की ओर आने-जाने वालों को भी काफी फायदा मिलेगा। अभी यहां वाहन चालक लंबे जाम में फंसते हैं।

9 साल में अपने क्षेत्र के 9 कार्य नहीं गिना पाये सांसद सत्यपाल सिंह

गाजियाबाद। बागपत-मोदीनगर लोकसभा के सांसद सत्यपाल सिंह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बेमिसाल 9 वर्षों में किए गए देशहित कार्यों का गुणगान किया। नवनिर्माण भारत बताते हुए उन्होंने कहा कि 2047 में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसित है। लेकिन, सांसद विगत 9 साल में मोदीनगर विधानसभा में अपने द्वारा किए गए 9 विकास कार्यों को नहीं गिना पाए। जबकि लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी चल रही है।

बुधवार को प्रेसवार्ता में सांसद सत्यपाल सिंह ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर देशभर में महासंपर्क अभियान 30 मई से शुरू हो गया है जो 30 जून तक चलेगा। इस दौरान जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नेता लोगों को प्रधानमंत्री और भारत सरकार की तरफ से किए गए 9 वर्षों के कार्यों को बताएंगे। उन्होंने कहा कि यह 9 साल नव निर्माण भारत के हैं। गरीबों के कल्याण, सुशासन, महिलाओं के सम्मान और देश के स्वाभिमान के हैं। 80 करोड़ लोगों को निशुल्क राशन दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इन 9 साल में देश के 18 हजार गांवों को बिजली मुहैया कराई गई है। उन्होंने कहा कि 2047 में देश को विश्व गुरु बनाने के लिए दिशा, नियत, नीति, ईमानदारी और लक्ष्य के साथ काम किया जा रहा है।

पिछले 9 साल में 53 हजार किमी. नेशनल हाईवे बन चुके हैं। 3.53 लाख से गांवों की सड़क बनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जाति-धर्म से ऊपर उठकर विकास करती है। बागपत का उदाहरण देते हुए सांसद ने कहा कि जनसंख्या 2011 के अनुसार, 23 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है और सरकार की विभिन्न योजनाओं का 48 प्रतिशत लाभ मुस्लिम समाज को मिला है।

मोदीनगर में आए-दिन सड़क हादसों में हो रही मौत के चलते शहर में ट्रामा सेंटर की स्थापना पर उन्होंने कहा कि राजकीय चिकित्सालय को ट्रामा सेंटर बनाने के लिए श्रम विभाग को पत्र लिखा गया था। इस बाबत वह पत्राचार के माध्यम से अपडेट लेंगे। जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, ब्लाक प्रमुख सुचेता सिंह, पालिकाध्यक्ष मोदीनगर विनोद जाटव वैशाली, रामआसरे शर्मा आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने आरएचएएम फाउंडेशन के सहयोग से हजारों लोगों में किया मीठे पानी का वितरण

गाजियाबाद। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद गैलोर, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सैफ्रोन, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेंट्रल और रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्ट एंड ने आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी हेल्थ अवॉयनेस मिशन के सहयोग से निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर मीठे शर्बत के वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वसुंधरा सेक्टर-15 में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में राह चलते लोगों को मीठा पानी परोसा गया। भीषण गर्मी में मीठा पानी पीकर लोगों ने अपनी प्यास बुझाई। रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर की अध्यक्ष मनीषा भार्गव ने बताया कि क्लब के सामाजिक दायित्व के तहत धार्मिक पर्वों पर अनुष्ठान किया जाता है। निर्जला एकादशी पर मीठे पानी का शर्बत बनाकर आम लोगों में वितरित करने की पुरानी परंपरा है। इसी के तहत बुधवार को आम लोगों को शर्बत वितरित किया गया। लोगों को बोतल में भरकर भी शर्बत दिया गया। आरएचएएम सदस्य श्रेय पसारी ने कहा कि निर्जला एकादशी को पवित्र पर्व माना जाता है। इस दिन मीठे पानी का वितरण करने से पुण्य लाभ होता है। इस मौके पर प्रोजेक्टर कोर्डिनेटर रोटेरियन डॉ. धीरज भार्गव, आरएचएएम के सचिव रोटेरियन दयानंद शर्मा, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेंट्रल के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता और रोटरी क्लब ऑफ ईस्ट दिल्ली एंड अशोक शर्मा आदि उपस्थित थे।

भार्गव समाज समिति ने वसुंधरा में लगाई मीठे पानी की छबील

गाजियाबाद। निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर गाजियाबाद भार्गव समाज समिति की ओर से वसुंधरा सेक्टर-12 में मीठे पानी के शर्बत का वितरण किया गया। गर्मी के इस मौसम में राह चलते बड़ी संख्या में लोगों ने मीठा शर्बत पीकर अपनी प्यास बुझाई।

समिति के डॉ. धीरज भार्गव ने बताया कि ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी व भीमसेनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। एकादशी व्रत जगत के पालनहार भगवान श्री विष्णु को सबसे अधिक प्रिय है। सभी वैष्णवी भक्तजनों को वर्ष की सभी एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए, किन्हीं कारणों से जो लोग सभी एकादशी का व्रत नहीं कर सकते, उन्हें निर्जला एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्जला एकादशी को निर्जल व्रत करने से वर्ष भर की सभी एकादशी का फल मिल जाता है। इस मौके पर मनीषा भार्गव, प्रतीक भार्गव, कुनिका भार्गव, राकेश मार्ग के संजीव भार्गव, कविनगर के संजय भार्गव एडवोकेट, सराय नजर अली के नीरज, दिल्ली गेट के विनय भार्गव, कविनगर के प्रदीप भार्गव व राजीव भार्गव, आलोक भार्गव, नेहरूनगर के मनीष भार्गव, कविनगर के अनिल भार्गव व राजनगर के सुभाष भार्गव उपस्थित थे।

गाजियाबाद में अतिक्रमण करने वालों की अब खैर नहीं

गाजियाबाद। जिले में सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों की खैर नहीं। सड़कों पर अतिक्रमण कर आवागमन को अवरुद्ध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है कि दुकानों के बाहर सड़क पर सामान रखने वालों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। जिले में यातायात व्यवस्था में सुधारने के लिए पुलिस ने नगर निगम के साथ मिलकर अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया है। अभियान के पहले दिन पुलिस ने इस तरह के 10 मामले दर्ज किए हैं। ये मामले विजयनगर, नंदग्राम, सिहानी गेट, नगर कोतवाली और कविनगर थाने में दर्ज किए गए हैं।

डीसीपी गाजियाबाद नगर निपुण अग्रवाल ने बताया कि अतिक्रमण हटवाने के लिए कई बार लोगों को चेतावनी दी जा चुकी है। इसके बावजूद लोग सड़कों पर सामान रखते हैं, जिससे रास्ता जाम होता है। ऐसे में अब सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

डीसीपी गाजियाबाद ने बताया कि पहले दिन मवई रोड, भाटिया मोड़, घूकना मोड़, ऑफिसर सिटी के सामने, नया बस अड्डा के पास, जस्सीपुरा तिराहा आदि इलाकों में अभियान चलाया गया। अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ पुलिस ने अतिक्रमण करने और यातायात बाधित करने की धाराओं 341 व 283 के तहत मामला दर्ज कराए हैं।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.